तर्ज --सौ बार जन्म लेगें

बड़ी देर भई है पिया,जीया और नही जाता
बता दो मेरे प्राण पिया,कब खेल खत्म होगा

1--जब दिल में लिया था धनी,माया ये दिखलाई
माना बड़ी सुंदर है,पर रास नही आई
यहां छल बल झूठ कपट ,मुझसे न सहन होगा

2--मैं हार गई हूं पिया,माया में ना रह सकती
खेल और दिखाना है,दे दो अपनी शक्ति
शैतान रूपी मनवा ,कैसे ना भसम होगा

3--माया के रंग काले,कैसे खेलूं होली
उन अर्श के रंगों से,भर दो मेरी झोली
फैलेगें अर्श के रगं ,सब साथ मिलन होगा

Nijanand App